

高祖承陽大師道元禪師讚仰御和讃

作詞 赤松月船
伝承 曲

♩ = 48位 追慕の念で

(頭) (衆) ツヤ ツヤ

1. き — みよう(オ) — ちよう(オ) — ら — い — え — ち — ぜ — ん — の — (オ) —

2. な — が — る — る — み — ず — も — み — こ — え — か — と — (オ) —
3. す — え — の — す — え — ま — で — あ — ん — ぜ — ら — れ — (エ) —
4. ま — こ — と — の — み — ち — は (ワ) — か — く — れ — な — く — (ウ) —

鉦 (右手)
鈴 (左手)

し — ひ — の — み — た — に — の — く — も — ふ — か — く —

み — ね — の — す — が — た — も — み — な — な — が — ら —
み — ず — い — ち — は — こ — の — よ — に — つ — な — (コ) — う(オ) — に — ら —
ま — す — ま — す — こ — の — よ — に — あ — ら — わ — れ — て —

た — の — み — の — お — や — ぞ — お — わ — し — ま — す — (ウ) —

どう(オ) — げ — ん — ぜ — ん — じ — は(ワ) — い — ま — も — な — お — (オ) —
そ — の — は — し — き — しゃ — く — は(ワ) — の — こ — し — て — ぞ — (オ) —
ま — き — し — つ — と — め — あ — さ — ゆ — う — に — (イ) —

な — も — な — つ — か — し — や — え — い — へ — い — じ —

う — つ — し — よ — の — み — を — そ — の — ま — ま — に — ろ —
め — ぐ — し — せ — た — た — も — う(オ) — お(オ) — の — ま — ま — り — よ —
み — ち — び — き — た — も — う(オ) — とう(オ) — ごと — び — よ —

ヨコアタリヨコアタリ